Sl.No. :

नामांक Roll No.

Tear Here

No. of Questions – 30

No. of Printed Pages – 7

SS–85–PHILOSOPHY

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

दर्शनशास्त्र

PHILOSOPHY

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

Candidate must write first his / her Roll No. on the question paper compulsorily.

2) सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

All the questions are compulsory.

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

Write the answer to each question in the given answer-book only.

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

For questions having more than one part the answers to those parts are to be written together in continuity.

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें
TEAR HERE TO OPEN THE QUESTION PAPER

यहाँ से काटिए

Downloaded from www.cclchapter.com

5) प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को सही मानें ।

If there is any error / difference / contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi version should be treated valid.

6)

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
अ	1-10	1	20 शब्द
ब	11-20	2	50 शब्द
स	21-30	5	100-150 शब्द
Section	**Q. Nos.**	**Marks per question**	**Word limit of answer**
A	1-10	1	20 words
B	11-20	2	50 words
C	21-30	5	100-150 words

7) प्रश्न संख्या **21** से **30** तक में आन्तरिक विकल्प हैं ।

There are internal choices for Q. Nos. **21** to **30**.

खण्ड – अ

SECTION - A

निम्नलिखित में से प्रत्येक को परिभाषित कीजिये।

Define each of the following.

1) संचित कर्म

Sānchit Karma

2) उपनिषद्

Upanishad

Downloaded from www.cclchapter.com

3) उपादान

Upādānā

4) प्रत्याहार

Prātāyahārā

5) सौन्दर्य – शास्त्र

Asthetics

6) रिलीजन

Religion

7) पुरूषार्थ

Purushartha

8) कैथोलिक

Kaitholik

9) गुरू ग्रन्थ साहिब

Guru Granth Sahib

10) सम्यक् स्मृति

Smāyak Smriti

Downloaded from www.cclchapter.com

खण्ड – ब

SECTION - B

11) आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Explain the difference between the theist (Aastik) and atheist (Nastik) Philosophy.

12) उपनिषदों के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप का वर्णन करें।

Describe the nature of "Brahman" according to Upanishads.

13) बौद्ध तथा जैन दर्शन के नैतिक सिद्धान्तों की समानता को बतायें।

Describe the similarity of the moral principles of Buddhist and Jain Philosophy.

14) स्वामी विवेकानन्द के मतानुसार मनुष्य के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain the nature of Man According to Swami Vivekanand.

15) पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न ज्ञानमीमांसीय अवधारणाओं को स्पष्ट करें।

Explain the various epistemological theories of Western Philosophy.

16) भारतीय परम्परा में धर्म के वर्गीकरण को समझाइये।

Explain the classification of Dharma in Indian tradition.

17) हिन्दू धर्म के ''कर्म – सिद्धान्त'' को स्पष्ट करें।

Explain the "Theory of Karma" according to Hindu Dharma.

18) यहूदी धर्म के नैतिक विचारों को समझाइये।

Explain the moral thoughts of Judaism.

Downloaded from www.cclchapter.com

19) पारसी धर्म का अशुभ की समस्या पर क्या मत है? स्पष्ट करें।

What is the opinion of Persian religion on the problem of evil? Explain.

20) धार्मिक असहिष्णुता के कारण बताइये।

Explain the causes of religious in tolerance.

खण्ड – स

SECTION - C

21) भारतीय दर्शन का स्वरूप स्पष्ट करें।

Explain the Nature of Indian Philosophy.

अथवा / OR

चार्वाक की जड़वादी ज्ञानमीमांसा को समझाइये।

Explain the materialistic epistemology of Charvak Philosophy.

22) श्रीमद्भगवद्गीता की प्रमुख शिक्षा की वर्तमान में प्रासंगिकता पर लेख लिखे।

Write an essay on relevance of the main teaching of Bhagvatgita in the present time.

अथवा / OR

उपनिषदों में जीवात्मा के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Explain the nature of soul according to Upanishads.

23) प्रतीत्यसमुत्पाद के सिध्दान्त को विस्तार से समझाइये।

Explain in detail The Theory of 'Pratityāsamuttpadā'.

अथवा / OR

जैन दर्शन में त्रिरत्नों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

Describe Rātnatraya in Jain Philosophy in detail.

Downloaded from www.cclchapter.com

24) शंकराचार्य के अनुसार माया का स्वरूप स्पष्ट करें।

Explain the nature of 'Maya' according to Shankaracharya.

अथवा / OR

स्वामी विवेकानन्द की व्यावहारिक वेदान्त की अवधारणा की समीक्षा करें।

Review the concept of practical Vedanta of Swami Vivekananda.

25) प्लेटो की ज्ञानमीमांसा को स्पष्ट करें

Explain epistemology of Plato.

अथवा / OR

अरस्तु के कारणता सिद्धान्त की व्याख्या करें

Describe the theory of cause of Aristotle.

26) धर्म के अर्थ एवं स्वरूप को स्पष्ट कीजिए

Explain the meaning and nature of Dharma.

अथवा / OR

इहलौकिकवाद के स्वरूप को स्पष्ट करते हूए, कोक्स के द्वारा दी गई इसकी विशेषताओं का उल्लेख करें।

Explain the nature of secularism and specify its characteristics given by the cox.

27) हिन्दू धर्म में प्रतिपादित जगत् विचार का मूल्याँकन कीजिए।

Evaluate the theory of World propounded by Hindu religion.

अथवा / OR

हीनयान एवं महायान के सिद्धान्तों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Clarify the difference between the principles of Hinyana and Mahayana Philosophy.

Downloaded from www.cclchapter.com

28) ईसाई धर्म के नैतिक विचारों को समझाइये।

Explain the moral thought of Christian Religion.

अथवा / OR

इस्लाम में उपासना के स्वरूप एवं महत्व को समझाइये।

Explain the nature and importance of worship in Islam.

29) पारसी धर्म के मूल सिद्धान्त को समझाइये।

Explain the fundamental thought of Persian Religion.

अथवा / OR

सिख धर्म की सामान्य विशेषताओं का विश्लेषण करें।

Analyze the general characteristics of Sikhism.

30) धार्मिक सहिष्णुता क्यों आवश्यक है? अपना मत प्रस्तुत करें।

Why Religious Tolerance is essential? Give your opinion.

अथवा / OR

सनातन धर्म में सर्वधर्म समभाव की अवधारना को समझाइये।

Explain the doctrine of 'Sarvadharm Sambhav' according to Sanatan Dharma.

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com